

हरिभूमि मिवानी-दादरी मूमि

रोहतक, मंगलवार 22 सितंबर 2026

खबर संक्षेप

प्रेक्षा विहार में रक्तदान शिविर आज

भिवानी। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी रक्तदान कर्तव्यम् अभियान के अंतर्गत देशभर में मेगा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की कड़ी में तेरापंथ युवक परिषद 22 सितंबर मंगलवार को प्रेक्षा विहार में रक्तदान शिविर लगाएगा। शिविर के संयोजक रमेश बंसल ने बताया कि शिविर में शिव रतन गुप्ता अधिवक्ता मुख्य अतिथि होंगे तथा सुरेंद्र जैन एडवोकेट अध्यक्षता करेंगे।

गांव ढाणा लाइनपुर में सत्संग और भंडारा कल

भिवानी। हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस पर संत रविदास समाज कल्याण ट्रस्ट एवं नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में कल 23 सितंबर बुधवार को गांव ढाणा लाइनपुर में सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे होगा और ये प्रभु इच्छा तक चलेगा। कल्याण ट्रस्ट के सचिव एडवोकेट प्रवेश भोरिया एवं संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने बताया कि कार्यक्रम ट्रस्ट के संस्थापक आचार्य दलबीरानंद की देखरेख में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जोहड़वाला प्राचीन हनुमान मंदिर के महंत चरणदास महाराज का विशेष सान्निध्य रहेगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को संतों के प्रवचन सुनने का अवसर मिलेगा तथा इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

तीन किलोग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने एक व्यक्ति से 3 किलो ग्राम गांजा सहित पकड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के एसआई सुरेंद्र सिंह की टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि न्यू भारत नगर में अस्पताल के पास टी-पॉइंट पर व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा बेचने की फिराक में आएगा। पुलिस टीम ने तुरंत बचाव गए स्थान पर पहुंचकर निगरानी शुरू की। कुछ समय एक व्यक्ति को पिडू बैग सहित काबू किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास तीन किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान भारत निवासी नई बस्ती, हनुमान गेट, भिवानी के रूप में हुई है।

नागरिक जन्म तिथि का सत्यापन करवाएं: एडीसी

भिवानी। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने जिले के नागरिकों से परिवार पहचान पत्र में दर्ज जन्म तिथि के सत्यापन को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर करवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि पीपीपी में दर्ज जन्म तिथि का सत्यापन दो स्तरों पर किया जाएगा। स्तर- एक के तहत नागरिक अपने पीपीपी में दर्ज जन्मतथिथि के सत्यापन के लिए संबंधित क्षेत्र के बीडीपीओ कार्यालय में जाकर जेडक्रीम के माध्यम से सत्यापन करवा सकते हैं।

लापरवाही

सोमवार को जनस्वास्थ्य विभाग ने सप्लाई कर दिया बदबूदार पानी

हरिभूमि न्यूज़ ॥ बहल सोमवार को कस्बे के जनस्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। रविवार को विभाग द्वारा जब पानी सप्लाई किया गया तो वो बदबूदार था। लोगों का अनुमान है कि आगजनी की घटना में जिस टैंकर से रसायन का रिसाव हुआ था, विभाग द्वारा वही रसायन मिला हुआ पानी लोगों के घरों में सप्लाई कर दिया। यह भी अनुमान है कि अनाज मंडी के पास नाले में लगी आग बुझाते समय जैसीबी से पेयजल लाइन डैमेज हो गई थी। संभव है कि उसी जगह से पानी की लाइन में रसायन का मिलाव हुआ है। हालांकि, मामला संज्ञान में आने के बाद विभाग के अधिकारियों के हाथ पाँव फूल गए। आनन फानन में सप्लाई लाइन को बंद किया

मानसून की बेरुखी के कारण जिले को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा

अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती, फूली सांसें

जिले की नहरों को महज 1075 क्यूसेक ही पानी मिला, मांगा था 2250 क्यूसेक

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मिवानी

इस बार मानसून की बेरुखी की वजह से खरीफ फसलों को पर्याप्त नहरी पानी नहीं मिल पाया। वहीं अब सिंचाई विभाग के पास भी पर्याप्त नहरी पानी नहीं है। जिस वजह से जिले की नहरों में मांग की अपेक्षा आधा ही पानी मिल पाया है। हालांकि सिंचाई विभाग के अधिकारी जल्द ही पूरा पानी होने की संभावना जता रहे हैं,लेकिन अगर पानी की मात्रा नहीं बढ़ी तो इस बार आधे से ज्यादा खेत खाली रहने के आसार बन गए हैं। क्योंकि कई जगहों पर तो बारिश न होने से खरीफ फसलों की भी बिजाई नहीं हो पाई। यह कम पानी भी मंगलवार सुबह तक पहुंचने की उम्मीद है। अब नहरी पानी नहीं मिला तो रबी फसलों

सुबह तक पानी पहुंचने की उम्मीद



की बिजाई की भी संभावना न के ही बराबर बची है। फिलहाल नहरी पानी कम पहुंचने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ झलकने लगी है। जानकारी के अनुसार सिंचाई विभाग ने जिले की नहरों के लिए साढ़े 22 सौ क्यूसेक नहरी पानी की मांग की थी, लेकिन यमुना में पानी कम होने की वजह से जिले

की नहरों को महज 1075 क्यूसेक ही पानी मिला है। फिलहाल सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 177 क्यूसेक, मिताथल फीडर में 301 तथा जुई फीडर में 597 क्यूसेक पानी बह रहा है। जबकि इन तीनों नहरों में करीब साढ़े 22 सौ क्यूसेक पानी होने पर ही अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सकता है। अगर पानी की मात्रा इतनी ही रही तो इस बार

जलघरों में नहीं पहुंच पाएगा पानी

अगर पानी की मात्रा नहीं बढ़ी तो किसानों के खेत ही नहीं, गांवों के जलघर भी खाली रहने के आसार बन गए हैं। चूंकि अधिकांश नहर व माइनरों के अंतिम छोर पर जलघर स्थापित है। पर्याप्त नहरी पानी नहीं पहुंच पाया तो जलघरों में पानी का संकट बन जाएगा। अभी अधिकांश जलघरों में पानी कम ही बचा है। अगर नहरी पानी नहीं मिलता तो अगले माह पीने के पानी का संकट बन सकता है। यहां यह बताते चले कि शहर के जलघरों में कुछ ही दिनों का पानी का स्टॉक बचा है। वहीं ग्रामीण इलाकों में स्थित जलघरों में पानी का स्टॉक खतम है। अब वहां पर ट्यूबवैलों के सहारे पीने के पानी की सप्लाई दी जा रही है। कई जगहों पर ट्यूबवैलों का पानी मीठा तो कहीं पर पानी बेहद खराब है। मजबूरन ग्रामीण उसी पानी का प्रयोग कर रहे हैं।

किसी भी नहर के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाएगा जिसको लेकर किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। क्योंकि इस वक्त किसानों के खेतों में थोड़ी बहुत खरीफ फसल खड़ी है। रबी फसल की बिजाई की जानी है। पानी कम पहुंचा तो उनके खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाएगा। ऐसे में उनके खेत खाली रहने के आसार बन गए हैं।

एसआईआर में अव्वल आने पर लोगों ने एसडीएम को किया सम्मानित

■गोगा मेला कमेटी सदस्यों व गणमान्य नागरिकों ने एसडीएम को कुशल प्रशासक और सामाजिक व्यक्तित्व का धनी बताया

हरिभूमि न्यूज़ ॥ लोहारू

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में लोहारू विधानसभा क्षेत्र का कार्य प्रदेश में बेहतर रहने पर आठ गांवों से जुड़ी गोगा मेला कमेटी सदस्यों व प्रबुद्ध नागरिकों ने एसडीएम मनोज कुमार दलाल को सम्मानित किया। एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर गणमान्य नागरिकों ने एसडीएम को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। आठ गांवों में शामिल गांव कुब्जानगर, पिचोपा कलां व खुर्द, गुड़ाना, रामबास, टोड़ीनगर,



लोहारू । एसआईआर में बेहतरीन सहयोग करने वालों को सम्मानित करते एसडीएम ।

निहालगढ़ व बिंद्राबन से जुड़ी गोगा मेला कमेटी के सदस्यों में महिपाल सरपंच, सुरेंद्र सरपंच, वेदपाल सांगवान, मास्टर तरुण शर्मा, दयानंद सरपंच, कमल सिंह सरपंच, धर्मवीर ठेकेदार, रामेश्वर साहब, रेशन प्रधान, विनोद, ताराचंद सरपंच, लोकराम सरपंच, रणसिंह सरपंच, हरिराम कलां व खुर्द, गुड़ाना, रामबास, टोड़ीनगर,

आदि सोमवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम मनोज कुमार दलाल द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एसडीएम एक कुशल प्रशासनिक अधिकारी होने के साथ-साथ सामाजिक ताने-बाने से जुड़े व्यक्तित्व के धनी हैं। एसडीएम अध्यात्म की भी पराकाष्ठा हैं।

अमरेश राय और रणसिंह यादव सर्वसम्मिमत से बने प्रधान

■ वर्तमान समय में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना सबसे बड़ी प्राथमिकता : कामरेड ईश्वर शर्मा

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मिवानी

मजदूर सभा (रंज.) एटक भिवानी के तत्वावधान में जीबीटीएल ब्रांच के पदाधिकारियों के चयन हेतु आम चुनाव का आयोजन किया गया। इस चुनावी बैठक की अध्यक्षता जिला एटक के प्रधान कामरेड ईश्वर शर्मा ने की। कार्यक्रम में एटक के राज्य महासचिव कामरेड अनिल पंवार तथा कामरेड अजय बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया के दौरान जीबीटीएल के स्पनिंग और फैब्रिक



दोनों डिबीजनों के लिए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से हुए चुनाव में कामरेड अमरेश राय को स्पनिंग डिबीजन का प्रधान तथा कामरेड रणसिंह यादव को फैब्रिक डिबीजन का प्रधान चुना गया। इसके अलावा कामरेड अनिल पंवार को कानूनी सलाहकार, कामरेड ईश्वर शर्मा को संरक्षक, कामरेड राजीव चौबे को

कोषाध्यक्ष स्पनिंग और कामरेड सुशील को कोषाध्यक्ष फैब्रिक की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं कामरेड प्रदीप कुमार व कामरेड कुलदीप यादव को वरिष्ठ उप-प्रधान पद के लिए चुना गया। वही कार्यकारिणी में कामरेड चरण सिंह यादव, कामरेड द्वारिका प्रसाद, कामरेड राजेश तिवारी, कामरेड शिव कुमार यादव, कामरेड राजेश वर्मा और कामरेड

भरोसे पर खरा उतरने का करेंगे प्रयास: प्रधान

इस अवसर पर नवनिर्वाचित प्रधान अमरेश राय और रणसिंह यादव ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है, उसे वे पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। मजदूरों के मान-सम्मान और उनके कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए हम हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं और एकजुट रहकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पर्वत सहित लगभग 80 अन्य सदस्यों को शामिल कर पूरी टीम का गठन किया गया। मुख्य अतिथि व राज्य महासचिव कामरेड अनिल पंवार ने कहा कि वर्तमान समय में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। नई कार्यकारिणी कर्मचारियों के हितों के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेगी और किसी भी मजदूर के साथ

अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला प्रधान कामरेड ईश्वर शर्मा ने कहा कि संगठन की ताकत कार्यकर्तियों की एकजुटता में निहित है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्होंने आह्वान किया कि वे कार्यस्थल पर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहें।

आग बुझाते वक्त डैमेज हो गई थी पेयजल सप्लाई की लाइन, राजगढ़ मोड़ पर लाइन की जांच शुरू की

रसायन से युक्त पेयजल की सप्लाई की आशंका, विभाग ने टैंक को कराया खाली



गया। जहां लाइन कट हुई थी उसे सुधारना शुरू किया और राजगढ़ रोड पर बने बूस्टिंग स्टेशन के टैंक को खाली करना शुरू कर दिया। पर, मामला जब तक विभाग के संज्ञान में आया तब तक राजगढ़ रोड और पिलानी बाईपास सहित अन्य लाइन में पानी की सप्लाई

सुबह जलघर से सप्लाई आई तो ब्रेक हुई लाइन में मिला रसायन अनुमान है कि रसायन रिसाव से हुई आगजनी की घटना के बाद जैसीबी से मिट्टी डाली जा रही थी तो अनाज मंडी के पास लाइन कहीं से ब्रेक हो गई। सुबह जब जलघर से पानी बूस्टिंग में आया तो पानी हसी लाइन से होकर गुजरा और उसमें मिलावट हो गई। यही पानी जब बूस्टिंग के टैंक में गिरा तो वह पानी भी दूषित हो गया। और, सुबह करीब दस बजे कस्बे के पिलानी रोड साइड यही पानी सप्लाई कर दिया गया। जनस्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने ब्रेक हुई लाइन को सुधारने के अलावा बूस्टिंग स्टेशन के जिस टैंक में पानी में रसायन मिलने का अंदेश था, उसे खाली करना शुरू कर दिया। जिस समय टैंक खाली किया गया उस समय टैंक में करीब पचास हजार लीटर पानी भरा हुआ था। जनस्वास्थ्य विभाग के जेई सुनील कुमार ने बताया कि एहतियात के लिए इस टैंक को खाली किया जा रहा है। खाली होने के बाद इसे क्लोरीनेट किया जाएगा और फिर साफ पानी से भरा जाएगा।

दी जा चुकी थी। भोजान रोड निवासी कुलदीप ने बताया कि जब सुबह करीब दस बजे जनस्वास्थ्य विभाग की सप्लाई का पानी आया तो उसमें बदबू आ रही थी। कुछ लोगों ने इस पानी को पिया तो उनका जो मितलाने लगा। लोगों ने इस पर एतराज उठाया और

जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से शिकायत की तो कर्मचारियों ने रविवार को राजगढ़ मोड़ पर हुई घटनास्थल के पास पेयजल लाइन की जांच शुरू की। अनाज मंडी के गेट के समीप सुरपुरा स्थित जलघर से आने वाली लाइन कट मिली।

बूस्टिंग स्टेशन में पानी जांच की सुविधा नहीं

कस्बे में पानी सप्लाई के लिए सुरपुरा रोड पर जलघर बनाया गया है। इसी जलघर का पानी राजगढ़ रोड स्थित बूस्टिंग स्टेशन में टैंको में भरा जाता है और फिर टैंक से सीधा सप्लाई किया जाता है। लेकिन, सप्लाई से पहले पानी की जांच के लिए बूस्टिंग स्टेशन में कोई सुविधा नहीं है। लोगों ने कहा कि बूस्टिंग से पानी की सप्लाई से पहले पानी की पूरी जांच होनी चाहिए। बहल एसएमएसजी अस्पताल के डॉ. गोवर ने बताया जाइलीन युक्त दूषित पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे सिरदर्द,पेट दर्द, वकटर, कमजोरी, मितली, उल्टी तथा आँख, नाक और गले में जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। रसायन की मात्रा अधिक होने पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। ऐसे पानी का सेवन तुरंत रोक देना चाहिए।

11 बैड-बाजे के साथ गणपति षष्ठा को दी विदाई ...



12 सीसीआई की जमीन पर प्रदूषण रहित उद्योगों ...

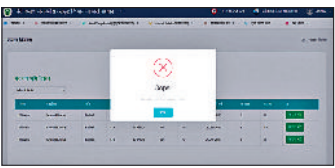


फसलों के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए किसान खा रहे सीएससी सेंटरों में धक्के

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मिवानी

सरकारी भाव पर फसलों की बिक्री व सरकारी योजनाओं के फायदे के लिए मेरी फसल मेरा ब्यूरा पर पंजीकरण करवाने बेहद जरूरी है। योजनाओं का फायदा उठाने के लिए कुछ किसानों ने अपनी खरीफ फसलों का पंजीकरण करवा दिया। जो कुछ किसान बचे हैं। उनके लिए सरकार ने एक सप्ताह के लिए पंजीकरण कराने की छूट दी है,लेकिन यह छूट उनके लिए समस्या बन गई है। चूंकि 21 से 27 सितम्बर तक होने वाला पंजीकरण अब सीएससी सेंटरों की बजाए एसडीएम कार्यालय में शिकायत देनी होगी । उसके बाद ही उस किसान की फसलें मेरी फसल मेरा ब्यूरा पर दर्ज हो पाएगी। पर जानकारी के अभाव व लंबी प्रक्रिया से बचने के लिए किसान सीएससी सेंटरों पर धक्के खा रहे हैं। वहां पर मेरी फसल मेरा ब्यूरा का पोर्टल ही नहीं खुला है।

दो दिन पहले सरकार ने मेरी फसल मेरा ब्यूरा का पोर्टल खोलने का ऐलान किया था। जिसमें कहा गया था कि जो किसान किसी कारणवश अपनी फसल का ब्यूरा पंजीकृत नहीं कर पाया। उसके लिए 21 से 27 सितम्बर तक पंजीकरण कराए जाने की कही गई,लेकिन किसान जब जमीन से संबंधित रिकार्ड लेकर सीएससी सेंटर पर पहुंचे तो वहां पर उक्त पोर्टल खुला ही नहीं। पंजीकरण के पहले दिन सीएससी सेंटरों पर एक भी किसान का पंजीकरण नहीं हो पाया



■ सीएससी सेंटरों पर पंजीकरण का पोर्टल बंद, एसडीएम के पास देनी होगी शिकायत

है। बाद में बताया गया कि वे एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर वहां पर अपनी जमीन से संबंधित रिकार्ड दें। उसके बाद एसडीएम कार्यालय द्वारा गठित टीम उसकी जांच करेगी और तहसीलदार या किसी पटवारी को मौके पर भेजकर उसकी जांच करवाएगी और उसके बाद ही उस फसल का मेरी फसल मेरा ब्यूरा पर पंजीकरण हो जाएगा। फिलहाल किसानों के खेतों में खरीफ फसल की कटाई व कपास की चुनाई का कार्य तेजी से जारी है। वे इस स्थिति में किस तरह से एसडीएम के कार्यालय के चक्कर लगा सकते हैं। एसडीएम महेश कुमार ने बताया कि हमारे पास इस संबंध में पत्र आया हुआ है। वंचित किसानों को अपनी फसल का पंजीकरण करवाने के लिए गांव का नाम, खेवट नंबर, मुरब्बा नंबर, किला नंबर, आधार नंबर, परिवार पहचान पत्र, मोबाइल नंबर और बैंक खाता संख्या सहित पूरी जानकारी एसडीएम कार्यालय में जमा करवानी होगी।

दी भिवानी केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता मंडार लिमिटेड के निदेशक मंडल का हुआ चुनाव

■ जोन एक से संजय, दो से जगदीप, तीन से निर्मला शर्मा, चार से कृष्ण कुमार , पांच से पुष्पा व जोन छह से लीलाराम को चुना

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मिवानी

दी भिवानी केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार लिमिटेड के निदेशक मंडल का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियों ने 11 सितंबर को सर्वसम्मति से भंडार निदेशक मंडल सदस्य चुने, जिनमें जोन नंबर एक से संजय, जोन नंबर दो से जगदीप, जोन नंबर तीन से निर्मला शर्मा, जोन नंबर चार से कृष्ण कुमार शर्मा, जोन नंबर पांच से पुष्पा व जोन नंबर छह से लीलाराम को चुना गया।



भिवानी । दी भिवानी केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार के नवनिर्वाचित निदेशक मंडल सदस्य ।

नवनिर्वाचित निदेशक मंडल की सोमवार को घंटाघर स्थित केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार कार्यालय में महाप्रबंधक बलजीत सिंह के साथ बैठक हुई।

बैठक में निदेशक मंडल के सभी सदस्यों को महाप्रबंधक ने बधाई दी और आमजन एवं स्टोर के हित में कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर सहकारी उपभोक्ता

भंडार भिवानी के महाप्रबंधक बलजीत सिंह ने कर्मचारियों से परिचय करवाने के उपरांत स्टोर की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। बैठक में मौजूद निदेशक मंडल के सदस्यों ने विश्वास दिलाया कि सर्वसम्मति से निर्णय लेकर केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार को आगे ले जाने के लिए बेहतर ढंग से कार्य किया जाएगा।



भिवानी । बाल सेवा आश्रम का निरीक्षण करते हुए ।

फोटो : हरिभूमि

सीजेएम ने बच्चों के आवास, भोजन और स्वास्थ्य से संबंधित व्यवस्थाएं जांची

हरिभूमि न्यूज़ ॥ मिवानी

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह के निदेशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम)-कम-सचिव पवन कुमार ने जिले के बाल सेवा आश्रम व सखी वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने दोनों केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रियाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास से जुड़ी सुविधाओं का गहन निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बाल सेवा आश्रम के निरीक्षण के दौरान सीजेएम पवन कुमार ने बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आश्रम में रह रहे बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध होने पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। ऐसे पानी का सेवन तुरंत रोक देना चाहिए।

सीजेएम ने बाल सेवा आश्रम व सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, अस्थायी आवास एवं पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने स्पष्ट दिष्ट कि पीडित महिलाओं को त्वरित, संवेदनशील और गोपनीय सहायता प्रदान की जाए तथा उनकी गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए। सीजेएम पवन कुमार ने कहा कि बाल सेवा आश्रम और सखी वन स्टॉप सेंटर समाज के कमजोर वर्गों के संरक्षण एवं सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण संस्थान हैं। इन केंद्रों की व्यवस्थाओं को मजबूत और प्रभावी बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।



हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार
22 सितंबर 2026

सहेली

विशेष : राष्ट्रीय बेटी दिवस
27 सितंबर

बेटियों को लेकर अब हमारे समाज की सोच बहुत बदली है। माता-पिता पारंपरिक सोच से उबरकर अपनी बेटियों को खुला आसमां दे रहे हैं, जिसमें वे ऊंची उड़ानें भर रही हैं, हर क्षेत्र में अपने आपको सिद्ध कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। तभी आज देश में ही नहीं, दुनिया में भारतीय बेटियों का परचम लहरा रहा है।

समाज की बदली सोच

बेटियां भर रही हैं नई उड़ानें



कवर स्टोरी

डॉ. गौनिका शर्मा

बी ते कुछ बरसों में बेटियों की परवरिश को लेकर समाज की सोच में एक सकारात्मक बदलाव आया है। अभिभावकों ने बेटियों से भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ उन्हें लेकर व्यावहारिक और प्रगतिशील नजरिया भी अपनाया है। यही बदलती सोच अब बेटियों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बन रही है। माता-पिता का भरोसा, उनका बदलात व्यवहार और बेटियों के सपनों को समझने की कोशिश उनके हौसलों को नई उड़ान दे रही हैं। आज देश ही नहीं, दुनिया भर में भारतीय बेटियों की उपलब्धियां चर्चा में हैं, उनके बुलंद हौसले नई पीढ़ी के लिए मिसाल बन रहे हैं। सकारात्मक सोच और प्रगति के इस मेल ने बेटियों के जीवन से जुड़े हर मोर्चे पर एक नया भरोसा पैदा किया है। बेटियों को समझने वाले अभिभावकों और अपनी पहचान बनाने का जज्बा रखने वाली लाडलियों ने मिलकर बदलाव की इस खूबसूरत तस्वीर को और मजबूत किया है।

मिल रहा है सही मार्गदर्शन-प्रोत्साहन

परंपरागत रूप से असमानता की सोच रखने वाले समाज में बेटियां के जीवन की राह यूं ही रोशन नहीं हुई है। घर-परिवार में



हर भेद को भुलाकर बेटियों को सही मार्गदर्शन दिया गया। उनकी उपलब्धियों की सराहना में अब दादी-नानी भी पीछे नहीं रहतीं, मन के थकने-टूटने पर दादा-नाना भी प्रोत्साहन देने लगे हैं। पढ़ाई का क्षेत्र चुनने से लेकर करियर बनाने तक, बेटियों को भरपूर अवसर मिल रहे हैं। अपनी मर्जी थोपने के बजाय घर-परिवार में उनके मन की बात सुनने का परिवेश बन गया है। यह सच है कि व्यवहार और विचार का यह बदलाव बरसों की जड़ोजहद के बाद आया है, पर अब इस भाव-चाव ने स्थायी जड़ें जमा ली हैं। एक ओर बेटियों को मिला मार्गदर्शन उनका मनोबल बढ़ा रहा है, तो



बेटी दिवस क्यों

असल में डॉटर्स-डे का कॉन्सेप्ट बेटियां के जन्म को लेकर रखने वाली कमतरती की सोच, बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता और जीवन के शुरुआती पड़ाव से ही स्त्री सम्मान के भाव को बल देने के लिए हुई थी। बेटियों से जुड़ाव को मजबूती देने के लिए हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। यह दिन मुख्य रूप से हमारे घर-परिवार में बेटियों के प्यार, सम्मान और उनके साथ के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। बेटियां के अस्तित्व की स्वीकार्यता की अहमियत समझाने वाला बेटी दिवस, कठ्ठा धूपन हरया, धरेलू हिंसा की बर्बरता के खिलाफ जागरूकता लाने से भी जुड़ा है। बेटियों के सपनों और उनकी स्वतंत्रता को मान देने से जुड़ा यह दिन अब बेटियों के खिलाफ होने वाले अपराधों से निपटने से लेकर जेंडर इक्वैलिटी तक, बहुत से मामलों में सकारात्मक संदेश देता है। अपने अस्तित्व की अहमियत समझने वाली बेटियों की संख्या इस मुहिम को और बल दे रही है। कामयाबी की उड़ान भरती बेटियों के उदाहरण समाज से मेढ़मापूर्ण रवेया खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इससे दूसरी बेटियों को भी समान अवसर मिलने लगे हैं। अभिभावकों और परिजनों द्वारा बेटियों की मौजूदगी के मायने समझने और बेटियों द्वारा खुद अपने अस्तित्व की अहमियत का मोल समझने से समाज की सोच में यह सार्थक दिशा पकड़ी है।

दूसरी ओर अपनों के प्रोत्साहन से बेटियों में सेना, खेल, रिसर्च और तकनीकी फील्ड्स में जाने की हिम्मत भी आई है। ससुराल जाकर अपना घर बसाने की रीत वाले हमारे समाज में आज बहुत सी बेटियां अपने माता-पिता का व्यवसाय संभाल रही हैं। इसी का परिणाम है कि बेटियों की निखरती प्रतिभा से अनेक क्षेत्रों में देश का भी नाम रोशन हो रहा है।

आत्मविश्वास से भरा मन

पहले बेटियों के जन्म और उनकी मौजूदगी से घर-परिवार का माहौल बदल जाता था। आज भी बेटियां के जन्म और उपस्थिति भर से पूरा परिवेश बदला-बदला-सा लगता है। फर्क है तो यह कि

तब बेटियों को जिम्मेदारी भर समझा जाता था। बड़ा कर शादी करने तक का दायित्व परिवार के हिस्से होता था। अब माता-पिता उनकी हर छोटी-बड़ी उलझन में साथ देने लगे हैं। अभिभावक बेटे के समान ही शिक्षा, सुरक्षा और समान परवरिश देते हुए आत्मनिर्भर बनाने की सोच लिए हैं। जिसके चलते बेटियों का मन भी दृढ़ता से पुरित है। बेटों की ही तरह बेटियां भी अपने ही नहीं, माता-पिता के सपने पूरे करना चाहती हैं। उनका दिलो-दिमाग न केवल अभिभावकों से मिले भरोसे का मान करता है, बल्कि अपने अचीवमेंट्स से उन्हें और सम्मानित महसूस करवाने का भाव लिए है। यह आत्मबल सही मायने में उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाला है।

अभिभावकों की ताकत

किसी शिक्षित-सजग बेटी का यह कहना कि 'आप चिंता न करें, मैं सब कुछ मैनेज कर लूंगी।' तो कहीं घर-परिवार बसा चुकी



बेटी का बोलना 'मैं आपसे दूर नहीं हूं, सब संभाल लूंगी।' बेटी होती किसी बेटी का यह भरोसा दिलाता 'मैं आपके सपने पूरे करूंगी' या मासूम बेटियां का घर में खिलखिलाते हुए सबका मन मोह लेना, सबको हौसला देने वाला है। बदलाव के इस शुरुआती पड़ाव पर माता-पिता बेटियों की हिम्मत बने तो अब सशक्त-आत्मनिर्भर हुई बेटियां भी अभिभावकों की ताकत बन रही हैं। आस-पड़ोस या सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में अभिभावक का मन दुखाने वाली बातों का एक सकारात्मक जवाब या सोच बनाने में अब बेटियां बिल्कुल पीछे नहीं रहतीं। माता-पिता पर स्नेह लौटाने वाली प्रगतिशील बेटियां हर दुख-तकलीफ में उनके साथ होती हैं। अभिभावकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखती हैं। करियर और शिक्षा के मोर्चे पर भी कुछ कर दिखाने की लगन ने माता-पिता के मन में उनके सपने साकार करने की ललक पैदा की है। अभिभावक भी बेटियों के लिए हर चुनौती का सामना करने की शक्ति जुटाने लगे हैं। यह हमारे परिवार-समाज के लिए बहुत सुखद स्थिति है।

बेटियां तभी सशक्त बनेंगी, जब अभिभावक उन्हें वो जरूरी आजादी देगे, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। अभिभावक बेटियों की परवरिश में किन बातों का ध्यान रखे कि उनके भीतर आत्मविश्वास जागे, वे स्वावलंबी बनें, साथ में जागरूक भी, एक जरूरी सलाह।

बेटियां ऐसे बनेंगी सशक्त-जागरूक



परवरिश

पूर्ति खरे

बाय! अनिका, आराम से जाना और वहां जाकर खूब एंजॉय करना।' अनिका को कॉलेज टूर के लिए विदा कर वेदेही घर के कामों में लग गई। इन दिनों अनिका की नानी यानी वेदेही की मां भी आई हुई थीं। वे बड़े गौर से अपनी बेटी की परवरिश देख रही थीं। कुछ देर बाद वह बोल ही पड़ीं, 'अनिका लड़की है, यूं आजादी से घूमेगी? मुझे तो यह समझ में नहीं आ रहा है कि इतनी आजादी तुम उसे क्यों दे रही हो? लड़की जात है, कहीं कोई ऊंच-नीच हो गई तो?' मां के इन सवालों का वेदेही ने बस एक जवाब दिया, 'मां, ये नए दौर की परवरिश है। अब न गुजरे वक्त जैसी जमीन है, न हवा-पानी वैसा है। अब इनके बीज अलग ढंग से बोने होंगे।' कहने को बात छोटी थी, लेकिन अपने भीतर बहुत बड़ा अर्थ समेटे थी। आज दुनिया तेजी से बदल रही है, इस बदलती दुनिया का रुख समझना होगा, उसी के



रुचि होती है, किसी को खेल, संगीत, कला या तकनीक में रुचि होती है। उसकी तुलना दूसरों से करने के बजाय, उसके हुनर को पहचानिए और उसे आगे बढ़ने के अवसर दीजिए। किसी हुनर का महत्व केवल उससे होने वाली कमाई में नहीं होता, वह बेटी को आत्मविश्वास भी देता है। उसकी ताकत का एहसास कराएं: बेटी को मजबूत बनाने का अर्थ यह नहीं कि उसे दुनिया से लड़ना सिखाया जाए। अर्थ यह है कि उसे दुनिया को समझना सिखाया जाए। उसे विश्वास दीजिए, अवसर दीजिए और सबसे



बढ़कर यह एहसास दीजिए कि 'तुम किसी से कम नहीं हो।' क्योंकि जब बेटी के भीतर आत्मविश्वास की रोशनी जलती है, तो वह दुनिया में अपनी जगह बनाना सीखती है। बेटी को सिर्फ पंख मत दीजिए, उसे

उड़ना भी सिखाइए। उसे एहसास और भरोसा दिलाइए कि- तुम सशक्त तो दुनिया तुम्हारी है। खुलकर बोलना सिखाएं: बेटी को चुप रहना नहीं, सही बात सही जगह पर कहना सिखाइए। उसे 'ना' कहना सिखाइए। असहज स्थिति को पहचानना और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना सिखाइए। सबसे जरूरी बात, अपनी बेटी को ऐसा माहौल दीजिए कि वह अपनी परेशानी आपसे बिना डरे साझा कर सके। अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाएं: बेटी को केवल उसके कर्तव्यों का ज्ञान न दें, उसके अधिकार भी बताइए। उसे शिक्षा, सम्मान, सुरक्षित वातावरण और अपने जीवन से जुड़े फैसलों में अपनी इच्छा के महत्व को समझाइए। बुनियादी कानूनी जानकारी भी उसकी ताकत बन सकती है। परिस्थितियों को समझना और जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना सिखाना ज्यादा जरूरी है।

रिश्ते

रेखा श्रीवास्तव

आज की नई पीढ़ी की पसंद है- एकल परिवार, क्योंकि यहां उन्हें कोई रोकने-टोकने वाला नहीं होता। ऑफिस से लौटने के बाद क्लब जाना, पार्टी और डिनर करके देर रात घर लौटना, इधर-उधर घूमना-फिरना, इन सब में उन्हें खूब मजा आता है। जब तक वे अकेले रहते हैं, सब अच्छा-अच्छा चलता है, लेकिन परिवार में बच्चे के जन्म के बाद बहुत कुछ बदल जाता है। बच्चे के साथ पहले जैसी स्वच्छंद जिंदगी जीना संभव नहीं होता। बस यहीं से कई बार गृह-क्लेश की शुरुआत हो जाती है। ऐसी स्थिति में दंपती को समझदारी से काम लेना चाहिए, अपने जीवन में एक अनुशासन लाना चाहिए।

सही नहीं है एकल पारिवारिक जीवन: आज बहुत से युवा दंपती अकेले रहने या परिवार को सिर्फ दो लोगों तक सीमित रखने के बारे में सोचते हैं, लेकिन यह न सामाजिक और न ही पारिवारिक दृष्टि से सही है। हम यह क्यों भूल जाते हैं, एक दिन जब हम बिल्कुल अकेले हो जाते हैं, तब अपनों की कमी सबसे ज्यादा अखरती है। कई बार तो अकेले रहने वाले व्यक्ति की मृत्यु के बाद कई-कई दिनों तक किसी को इसकी खबर तक नहीं होती। यह कितनी त्रासद और अपने आप में यह कितनी भयावह स्थिति है। संयुक्त परिवार है एक वट वृक्ष: आजकल बाल यौनशोषण, वर्चुअल ऑटिज्म या फिर छोटी उम्र में जरा-

इस आधुनिक दौर में बहुत से पति-पत्नी एकल परिवार में ही रहना पसंद करते हैं। वे अपने माता-पिता को साथ रखना नहीं चाहते, जबकि बुजुर्ग अभिभावक अपने बच्चों का बहुत बड़ा संबल होते हैं।

बना रहे हम सबका साथ



सी अनबन या डांटने पर आत्महत्या की घटनाएं आए दिन सुनाई देती हैं। ये सब वहां ज्यादा होता है, जहां पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे या तो मेड या पड़ोसियों के सहारे पलते हैं। जरूरी नहीं ये लोग बच्चे का सही ढंग से ध्यान रखें या ये अच्छे ईंसान हों। कई जगह पर ऐसे-ऐसे अपराध सामने आते हैं कि लोगों का रिश्ता पर से विश्वास उठ जाता है। अंत में दंपती को नया विकल्प खोजना पड़ता है। इसलिए इस बात को समझें, 'अभी देर नहीं हुई है, जब जागो तभी सेवाएं।' उच्च शिक्षा हासिल करना,

कामकाजी होना गलत नहीं है, लेकिन इसे एक सकारात्मक रूप से देखें। मतलब जब तक आप सक्षम हैं, आपको किसी की जरूरत नहीं है। लेकिन एक समय बाद आपको किसी अपने के सहारे की जरूरत पड़ती है। संयुक्त परिवार वह वट वृक्ष है, जो आपको धूप आने पर छाया देने से इंकार कभी नहीं करता। आप अपने परिजनों से रिश्ते हमेशा गहरे और मधुर बनाकर रखें।

बड़ा संबल है माता-पिता का साथ: इस परिप्रेक्ष्य में यह कहना जरूरी है कि अपने माता-पिता को अपना समझिए तभी उनको घर लाइए। अगर एक नौकरानी या नौकर का विकल्प समझ कर ला रहे हैं तो उन्हें मत लाइए। पुराने पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने का अर्थ है कि आप अपनी जड़ों से जुड़िए और उनसे वह ग्रहण कीजिए, जिसकी आज जरूरत है। रुपए, पैसे, धन-दौलत वक्त पर बहुत कुछ तो होते हैं, लेकिन सब कुछ नहीं होते हैं। सब कुछ सिर्फ कुछ अपने रिश्ते होते हैं, जो जरूरत पड़ने पर कंधे पर हाथ रखते हैं, हमारा संबल बनते हैं।



माता-पिता हैं सुरक्षा कवच

आपके माता-पिता भी आपका साथ चाहते हैं। उन्हें आप प्यार और सम्मान के साथ अपने साथ रखिए। आपके बच्चों को सुरक्षा कवच मिल जाएगा। आपको एक बैकफ्री रहेगी कि हमारा घर और बच्चे सुरक्षित हैं। रहा सवाल बड़ों की रोक-टोक का तो वे कोई किराए पर लाए हुए ईंसान नहीं हैं, बल्कि आपके अपने हैं, अगर उनका सुझाव या बात उचित है तो स्वीकार कर लीजिए और अगर अनुचित है, तो उनको समझाइए कि ऐसा क्यों नहीं संभव है। इस बात को समझिए, उनके पास आपसे ज्यादा जीवन अनुभव है, उसका लाभ उठाइए।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. आस्था गुप्ता
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट

पॉलीसिटिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) की समस्या और इससे जुड़े लक्षणों के बारे में तो कई महिलाएं जानती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसका असर आपकी नींद पर भी पड़ सकता है? इसके संकेतों को जरअंदाज न करें। हो सकती हैं नींद से जुड़ी समस्याएं: पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) का जोखिम सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक होता है। इस स्थिति में सोते समय सांस की नली कुछ समय के लिए संकरी या बंद हो जाती है, जिससे सांस लेने में रुकावट आती है। शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर व्यक्ति की नींद बार-बार खुलने लगती है, ताकि सांस सामान्य हो सके। पीसीओएस-अनिद्रा का कनेक्शन: पीसीओएस में इंसुलिन रजिस्ट्रेस, वजन बढ़ना और हार्मोनल असंतुलन जैसी

पीसीओएस को आमतौर पर अनियमित पीरियड्स और वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन इसका असर नींद पर भी पड़ सकता है। ये आपस में कैसे रिलेट करते हैं और इनसे कैसे निजात पाएं, जानिए।

पीसीओएस से हो सकती है नींद में परेशानी



समस्याएं कॉमन हैं। वहीं, लंबे समय तक अनिद्रा और स्लीप एपनिया की समस्या, शरीर में तनाव हार्मोन और इंसुलिन रजिस्ट्रेस को बढ़ा सकती हैं। नींद की कमी का असर महिलाओं के हार्मोनल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। लगातार

अपर्याप्त नींद से थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी और मूड में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन महिलाओं में पहले से ही अनियमित पीरियड्स, वजन बढ़ना या इंसुलिन रजिस्ट्रेस जैसी पीसीओएस से जुड़ी

अच्छी डाइट-वर्कआउट के साथ

‘मी टाइम’ निकालना भी है जरूरी

इन दिनों सोनी सब चैनल के शो 'यादें' में डॉ. सुष्टि अग्रवाल का किरदार गुल्की जोशी निभा रही हैं। इसमें वे फिट और अट्रैक्टिव नजर आ रही हैं। अपनी फिटनेस और ब्यूटी को मेंटेन करने के लिए वे क्या करती हैं, गुल्की सहेली को बता रही हैं, अपनी जुबानी।

फिटनेस फंडा

गुल्की जोशी

गुल्की जोशी रिस्ट्रक्ट डाइट के बजाय बैलेंस्ड और सरटेनेबल डाइट को प्राथमिकता देती हैं। वर्कआउट में स्ट्रेंथ, मोबिलिटी और कार्डियो का संतुलन बनाए रखती हैं। साथ ही, मानसिक सुकून के लिए 'मी टाइम' निकालती हैं। आइए जानते हैं, उनकी फिटनेस और ब्यूटी का राज क्या है? बैलेंस्ड और सरटेनेबल डाइट: फिटनेस बनाए रखने के लिए मैं बहुत रिस्ट्रक्ट डाइट से ज्यादा बैलेंस्ड और सरटेनेबल डाइट पर फोकस करती हूं। मैं कोशिश करती हूं कि मेरे खाने में पर्याप्त प्रोटीन, सब्जियां और फल शामिल हों। मैं घर का बना खाना ही खाती हूं। शूटिंग के दौरान टाइमिंग कभी-कभी डिस्टर्ब हो जाती है, लेकिन मैं मेंटेन करने का भरसक प्रयास

करती हूं। इसके साथ ही मैं हाइड्रेशन पर खास ध्यान देती हूं। वैसे मैं किसी भी तरह के फूड को पूरी तरह अवॉयड नहीं करती, लेकिन जंक और बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड को लिमिट में ही खाना पसंद करती हूं। मेरा मानना है कि डाइट ऐसी होनी चाहिए, जिसे आप पूरे मन से फॉलो कर सकें।

करती हूं डेली वर्कआउट: मैं नियमित रूप से वर्कआउट करने की कोशिश करती हूं। हालांकि शूटिंग शेड्यूल के हिसाब से रूटीन में बदलाव आता रहता है। मुझे ऐसा वर्कआउट पसंद है, जिसमें स्ट्रेंथ, मोबिलिटी और थोड़ा कार्डियो, तीनों का बैलेंस हो। वॉकिंग भी मेरे लिए बहुत जरूरी



है। अगर कभी जिम जाना मिस हो जाए, तो मैं कोशिश करती हूं कि दिन भर फिजिकली एक्टिव रहूं। मेरे लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है।

‘मी टाइम’ भी निकालती हूं: मानसिक शांति के लिए मैं अपने लिए थोड़ा 'मी टाइम' निकालना बहुत जरूरी मानती हूं। कभी-कभी बस कुछ देर शांत बैठना, फोन से दूरी बनाना या अपने पसंदीदा लोगों के साथ समय बिताना भी बहुत मदद करता है। मैं कोशिश करती हूं कि किसी भी रेशन को अपने ऊपर हावी न होने दूं और जो चीजें मेरे कंट्रोल में नहीं हैं, उन्हें लेकर खुद को ज्यादा परेशान न करूं। मेरा मानना है कि पॉजिटिव रहना कोई एक दिन की प्रैक्टिस नहीं, बल्कि रोज खुद को थोड़ा बेहतर समझने की प्रक्रिया है।

अच्छी नींद को मानती हूं जरूरी: अच्छी फिटनेस का असर मेरी ब्यूटी पर भी पड़ता है। मेरे लिए ब्यूटी का सबसे बड़ा स्रोत है, डेली अच्छी पूरी नींद सोना। हाइड्रेशन को मेंटेन रखना और बेसिक रिक्तन केयर में कंसिस्टेंसी। मैं बहुत ज्यादा एक्सपेरिमेंट करने के बजाय अपनी स्किन को सूट करने वाले कुछ बेसिक प्रोडक्ट्स को अप्लाई करना पसंद करती हूं। शूटिंग में मेकअप काफ़ी होता है, इसलिए उसे अच्छी तरह से हटाना और स्किन को साफ और मॉइश्चराइज रखना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि जब हम अंदर से खुश और स्वस्थ महसूस करते हैं, तो उसका असर चेहरे पर अपने आप दिखता है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

ख़बर संक्षेप

इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने जताया शोक

भिवानी। इंडियन नेशनल लोकदल के जिलाध्यक्ष एवं को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन अशोक ढाणीमाहु के बीते 15 सितंबर को हुए आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। सोमवार को इनेलो सुप्रीमो चौ. अभय सिंह चौटाला दिवंगत नेता के आवास पर पहुंचे और परिजनों को ढाढस बंधाया। अभय सिंह चौटाला ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि स्व. अशोक ढाणीमाहु ने जीवनभर जनहिात, संगठन और समाज सेवा को प्राथमिकता दी।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संमाला कार्यभार

भिवानी। श्री हरियाणा शेखावाटी ब्रह्मचर्याश्रम समिति की नई कार्यकारिणी का गठन निर्विरोध रूप से सफलतापूर्वक बीते दिनों संपन्न हो गया था। चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सोमवार को नवनियुक्त पदाधिकारियों ने औपचारिक रूप से अपना पद एवं कार्यभार ग्रहण कर लिया। चुनाव अधिकारी प्रोफेसर पवन कुमार एवं ब्रह्मचारी शेखावटी आश्रम समिति के प्रशासक शुक्रदेव मुनि ने सभी नवनिवाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें जिम्मेदारी सौंपी और कार्यभार संभलवाया।

हेप्पी कार्ड योजना बन रही बड़ा सहारा: दीपक

भिवानी। प्रदेश सरकार द्वारा रोडवेज की हेप्पी कार्ड योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बहुत बड़ा सहारा बन रही है। इस योजना के तहत रोडवेज की बसों एक साल में एक हजार कि.मी. निःशुल्क यात्रा करने का लाभ मिलता है। जिला में फिलहाल अंत्योदय परिवारों के एक लाख 78 हजार हेप्पी कार्ड योजना का लाभ ले रहे हैं। यानि हेप्पी कार्ड के माध्यम से फ्री यात्रा करने वाले अंत्योदय परिवारों में हेप्पीनेस आई है। योजना का लाभ लेने वाले गांव कोहाड़ निवासी अशोक ने कहा कि पहले कहीं बाहर जाने पर यात्रा खर्च के लिए जेब की तरफ देखना पड़ता था, लेकिन हेप्पी कार्ड मिलने के बाद किराए के बारे में कुछ भी सोचना नहीं पड़ता। वहीं रोडवेज डिपो महाप्रबंधक दीपक कुंडू ने बताया कि जिला में दो लाख पांच हजार हेप्पी कार्ड बनकर आ चुके हैं, जिनमें से एक लाख 78 हजार हेप्पी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।

सही निर्णय लेने की कला ही सफल करियर की कुंजी: राजन शर्मा

बहल। राजकीय महिला कॉलेज के प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में छात्राओं के लिए लीडरशिप स्किल और करियर विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रिसोर्स पर्सन राजन कुमार शर्मा ने शिरकत की। राजन शर्मा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री ही काफी नहीं है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की कला ही सफल करियर की कुंजी है। उन्होंने करियर के विभिन्न अवसरों, साक्षात्कार की तैयारी और व्यक्तित्व विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या ने राजन कुमार शर्मा का बहुमूल्य समय देने और छात्राओं का मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया।

शिविर में सीटीएम ने सुनीं जनसमस्याएं, समाधान के लिए निर्देश

चरखी दादरी। उपायुक्त मनदीप कौर के मार्गदर्शन में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में सीटीएम सुरेश कुमार ने आमजन की समस्याएं सुनीं। शिविर में बिजली, पानी, पुलिस, फसल पंजीकरण और मंडिकल बिलों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। सीटीएम सुरेश कुमार ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए और लोगों को सरकार की योजनाओं एवं नीतियों का लाभ समय पर मिले।

सप्ताह की पूजा-अर्चना के बाद भगवान गणपति प्रतिमा का किया विसर्जन

बैंड-बाजे के साथ गणपति बप्पा को दी विदाई, जल्दी आने की प्रार्थना

गणपति बप्पा सुखकर्ता व दुःखहर्ता हैं :अनुप टेला

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

चूहड़सिंह की बाजारी स्थित पुराना पटवारखाना में श्रीगणेश चतुर्थी पर स्थापित भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा का एक सप्ताह तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और सोमवार को बैंड बाजों के साथ धूमधाम से गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया।

विसर्जन से पूर्व भगवान श्रीगणेश की विशेष पूजा-अर्चना व आरती की और गणपति बप्पा से अगले बरस जल्दी आना की प्रार्थना की। क्षेत्रवासी बैंड-बाजे के साथ भगवान गणपति की प्रतिमा लेकर गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आना के जयघोष करते हुए नाचते-गाते प्रतिमा को विसर्जन स्थल पर ले गए। इस अवसर पर क्षेत्रवासी अनुप टेला ने बताया कि गणपति बप्पा सुखकर्ता व दुःखहर्ता हैं। भक्तों का अटूट विश्वास है कि जब गणपति बप्पा विदाई लेते हैं तौ अपने साथ घर के सारे दुःख, संकट और विघ्न हर कर ले जाते हैं। इस मौके पर मास्टर जयप्रकाश, आदेश, सुभाष, अनुराग, मट्ठरू, हरिप्रकाश आदि मौजूद रहे।



भिवानी। गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन करने ले जाते श्रद्धालु।

श्रीगणेश महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालु की भीड़, बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

चरखी दादरी। स्थानीय गांधी नगर स्थित चेतनराम सत्संग भवन में आयोजित 10वें श्री गणेश महोत्सव के दौरान सुबह-शाम विशेष पूजा-अर्चना और आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जा रहा है। आयोजन प्रधान बजरंगलाल सितोखपुरिया की अगुवाई में किया जा रहा है। सुबह की पूजा में मुख्य यजमान बजरंगलाल जिंदल छुछकवास वाले रहे। उनकी ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शाम की आरती में माया उजेलर्स के अशोक गोयल दुबलधनिया ने ज्योति प्रज्वलित की। महोत्सव में रंग-खिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चों ने भगवान गणेश व अन्य देवी-देवताओं के भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शाम के कार्यक्रम में शिवचरण सोहवासिया सपरिवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप प्रधान अशोक दाणी फोगाट, अमर समसपुरिया, नितिन चेतनपुरिया, मोतीराम गर्ग, ललित पंडित, विजय सितोखपुरिया, श्याम सितोखपुरिया आदि मौजूद रहे।



चरखीदादरी। कार्यक्रम के दौरान निकाली गई झांकी।

श्रीगणेश महोत्सव में कलाकारों ने भजन संध्या में बांधा सना

चरखी दादरी। स्थानीय विद्या विहार शंकर कॉलोनी में चल रहे 10वें श्री गणेश जन्मोत्सव के सातवें दिन भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर रहा। आयोजन का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की संगीतमय आरती एवं विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। भजन कलाकार मौजूद सौनी, पवन कान्होरिया, इन्द्रजीत ने प्रस्तुतियां दीं। भिवानी से पहुंचे अमित आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने शिव तांडव एवं शिव स्तुति की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। वृंदावन से आए कथावाचक मोहन श्याम पाराशर ने संगीतमय आध्यात्मिक प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कार और ईश्वर के महत्त्व का संदेश दिया। मंत्र संचालन पवन कान्होरिया ने किया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक भक्ति संगीत का आनंद लिया। आयोजन में सदीप फोगाट, रणवीर खानपुरिया, बलराज फोगाट, अर्जुन लाल भक्त, रामीतार सराफ, प्रवीण मित्तल, प्रकाश चंद समसपुरिया, हीरा लाल चरखी वाले, कृष्ण मकडानिया, संजय बंसल, सुनील बहु वाले सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विवाह के 50 साल बाद बुआ मूर्ति देवी का भतीजों ने करवाया मुकलावा

■ दान कभी बढ़ा नहीं होता की सोच को चरितार्थ करते हुए भतीजों ने निभाई पुरानी रस्म

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

गांव औरंगनगर निवासी मूर्ति देवी का राजेन्द्र संग विवाह होने के करीब 50 वर्ष बाद उनके भतीजों ने उनका मुकलावा यानी 'गोना' करारक एक अनूठी पारिवारिक परंपरा को जीवंत कर दिया। कलानौर निवासी देवेन्द्र, मुकेश, रिंकू और रोहित ने मिलकर अपनी बुआ मूर्ति देवी का मुकलावा करवाया। परिवार के इस आयोजन ने न केवल पुरानी परंपरा की यादें ताजा कर दीं, बल्कि रिश्तों की



मजबूती और अपनत्व की मिसाल भी पेश की। कार्यक्रम में मूर्ति देवी के भतीजे मुकेश कुमार व मुकेश कुमार की पत्नी सज्जनपुर की कोमल ने अहम भूमिका अदा की और कार्यक्रम में खर्च लगाकर इसे सफल बनाया। परिजनों के अनुसार मूर्ति देवी का विवाह करीब 50 वर्ष

बाबा दुर्बलनाथ के नाम से होगा चौक

भिवानी। राष्ट्रीय संत शिरोमणि बाबा दुर्बल नाथ के 165 वें प्रकाश पर्व पर खाड़ी मोहल्ला कृष्ण कालोनी मोड़ पर बाबा के नाम पर चौक का विधायक के पुत्र अमन सराफ व नय चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर अमन सराफ ने कहा कि संत शिरोमणि बाबा दुर्बल नाथ महाराज 19वीं सदी के एक महान निर्गुण संत, समाज सुधारक और आध्यात्मिक मार्ग दर्शक थे। उन्होंने समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत और भेदभाव को खिलाफ काम किया और वंचित वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, छुआछूत और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए अपनी ज्ञानमयी वाणी से लोगों को जागरूक किया। भवानी प्रताप ने कहा कि बाबा दुर्बल नाथ ने बाल-विवाह, नशाखोरी और सामाजिक असमानता जैसी कुप्रथाओं का पुरजोर विरोध किया। आध्यात्मिक योगदान एवं परंपरा के निर्गुण भक्ति धारा के संत थे और प्रेम, भाईचारे व ईश्वर-भक्ति का संदेश देते थे।



भिवानी। चौक का उद्घाटन करते हुए।

ज्ञानवर्धक प्रवचनों से किया

श्रद्धालुओं को आनंदित



भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते हुए।

■ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते धार्मिक आयोजन : विनोद

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

जामपुर सेवा समिति द्वारा कृष्णा कॉलोनी, चार मरला स्थित श्री राम मंदिर में आयोजित द्वितीय वार्षिक गणेशोत्सव श्रद्धा, उल्लास और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मनाया जा रहा है। 11 दिनों तक चलने वाले इस पावन महोत्सव के तहत मंदिर प्रांगण को विशेष रूप से रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक फूलों से सजाया गया है। पूरे क्षेत्र में भक्ति और अध्यात्म का वातावरण बना हुआ है। महोत्सव की कड़ी में मंदिर परिसर में सत्संग एवं प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तपोभूमि परमहंस योगाश्रम से पथारे स्वामी कृष्णानन्द सरस्वती के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बालयोगिनी साध्वी विभानंद सरस्वती ने अपनी मधुर वाणी द्वारा सत्संग एवं ज्ञानवर्धक

प्रवचनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को आनंदित और भाव-विभोर कर दिया। जामपुर सेवा समिति के महासचिव विनोद मिर्ग ने गणेशोत्सव के संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि 14 सितंबर से शुरू हुआ यह गणेशोत्सव 24 सितंबर को गणेश विसर्जन तक लगातार 11 दिनों तक पूरे धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में 23 सितंबर को भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद 24 सितंबर को पूरे शहर में भव्य एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके पश्चात विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया जाएगा। विनोद मिर्ग ने आगे कहा कि गणेश चतुर्थी का यह पावन पर्व केवल हमारी आस्था और धार्मिक विश्वास का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज को एकजुटता, भाईचारे और सौहार्द के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम भी है।

न्यूज डायरी



सेट किरोड़ीमल पार्क में 11 से होगी रामलीला

भिवानी। श्रीअग्नेय रामलीला कमेटी की ओर से शहरवासियों को इस बार मेष एवं संपूर्ण रामलीला का मंचन देखने को मिलेगा। 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक सेट किरोड़ीमल पार्क में प्रतिदिन रात्रि 7-30 बजे से रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला को लेकर कलाकारों द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। रामलीला कलाकार प्रमोद बिंदल, बिंदर सेनी हलवाई और नरेश वर्मा ने बताया कि इस बार रामलीला की खास बात ये है कि भिवानी की आधा दर्जन से अधिक व अलग-अलग रामलीलाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके सुप्रसिद्ध कलाकारों को एक मंच पर एकत्रित किया गया है।



वैश्य महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

भिवानी। वैश्य महाविद्यालय भिवानी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ 'रंग-वीथिका' द्वारा महाविद्यालय के मुख्य समारार में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व डीन युवा कल्याण पौ धीरज त्रिखा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रतिभा खोज कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 100 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों रिया, मोक्ष, मुकंदन, कामल, हर्षिता, अंशा, राखी, राहुल, गिरिशो, कोमल, नेहा, शकुन, तानिया, अकिंत, सुशो, दीपिका एवं श्यामसुंदर ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

शिविर में टीबी मरीजों को बांटी पोषण किट

भिवानी। सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य के दिशा-निर्देशानुसार एवं डॉ. अमित रांगी के मार्गदर्शन में सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानहरे में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। डॉ. ऋतु फोगाट की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में मानहरे व आसपास के गांवों से पहुंचे दर्जनों लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई। अभियान के तहत टीबी रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और मरीजों के स्वास्थ्य सुधार पर विशेष ध्यान दिया। शिविर के दौरान टीबी के मरीजों को निःशुल्क पोषण किट वितरित की।

पेंटिंग प्रतियोगिता में 782 विद्यार्थियों ने लिया भाग

भिवानी। सेवा संकल्प अभियान के तहत खंड स्तरीय ऑनलाइन पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों के दो ग्रुप बनाए गए, जिसमें कक्षा पहली से 8 वीं और 9 वीं से 12 वीं कक्षा के कुल 782 विद्यार्थी प्रतिभागी बने। भिवानी ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता पोषमश्री राजकीय कन्या समूचि में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने स्वावलंबी, सशक्त, शिक्षित, आत्मनिर्भर, स्वस्थ, सुरक्षित एवं एकजुट भारत के भावों को रंग-बिरंगे रंगों से कागज पर उकेरा। वहीं दूसरी ओर भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने ओजस्वी विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा तथा मिविष्य के भारत के प्रति रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना रहा। विद्यार्थियों ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से स्पष्ट किया कि देश को आत्मनिर्भर और विश्व गुरु बनाने के लिए सेवा भाव और आधुनिक तकनीक दोनों का समन्वय आवश्यक है।

स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लें: डॉ. अमित

भिवानी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा हरियाणा शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में अंतर-विभागीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अमित कादवाहन थे। इस प्रतिस्पर्धा का विषय स्वतंत्रता संग्राम में राय तुलाराम की भूमिका रहा। विभागाध्यक्ष प्रो. मुकेश यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वतंत्रता सेनानियों के व्यक्तित्व के प्रति रुचि पैदा करना और उन्हें अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान संचालन डॉ. रवि प्रकाश ने किया। प्रो. शशवीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि युवाओं को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए।

नाबालिगों की तेज रफ्तार ड्राइविंग से बढ़ रहा हादसों का खतरा: भगवानदास

तेज रफ्तार ड्राइविंग व सीवरेज ओवरफ्लो की शिकायत दी

औद्योगिक सेक्टरों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या, राहगीर व वाहन चालक परेशान

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

भारतीय जनता पार्टी मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक भगवानदास कालिया ने शहर में नाबालिग बच्चों द्वारा दूधपोहिया वाहनों की तेज रफ्तार ड्राइविंग तथा रिहायशी सेक्टरों में सीवर ओवरफ्लो की गंभीर समस्याओं को लेकर समाधान शिविर में अधिकारियों को लिखित शिकायत दी और सख्त कार्रवाई की



भिवानी। औद्योगिक क्षेत्र में सीवरेज ओवरफ्लो होने से सड़क पर जमा गंदा पानी।

मांग की है। कालिया ने क्षेत्र में 12 से 13 वर्ष की आयु के लड़के-लड़कियों द्वारा लापरवाही से बाइक व स्कूटी चलाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि बच्चे बिना यातायात नियमों की परवाह किए दूधपोहिया वाहन पर तीन से चार की संख्या में बैठकर स्कूल

जाते हैं और सड़क पर इधर उधर घूमते दिखाई देते हैं और बिना आगे-पीछे देखे अचानक वाहनों को मोड़

वाहनों पर न तो नंबर होते और न कोई पहचान

कई बच्चे कानों में लीड लगाकर और फोन पर बात करते हुए स्कूटी व बाइक चलाते हैं तथा सड़कों पर कहीं भी वाहन खड़ा कर देते हैं, ऐसे वाहनों पर न तो नंबर होते हैं और न ही कोई पहचान। यह स्थिति बच्चों के अपने जीवन के साथ-साथ आम जनता की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि संबंधित इलाकों में नियमित जांच और निगरानी बढ़ाई जाए और स्कूल संचालकों को निर्देश जारी कर बच्चों के अचानक होने पर रोक लगाई जाए तथा उन्हें पैदल या साइकिल से आने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि हादसे की टाला जा सके। वहीं समाधान शिविर में सेक्टर 21 और सेक्टर 26 में सीवर के बार-बार ओवरफ्लो होने तथा नालों के बंद रहने की समस्या को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने कहा कि सेक्टर 21 और 26 में फैक्ट्रियों से निकलने वाला वाशिंग का गंदा पानी सीवरों में आ रहा है, जिसकारण नाले पूरी तरह अवरुद्ध हो चुके हैं। नालों व सीवरों के ओवरफ्लो होने से क्षेत्र में दुर्गंध और मक्खी मच्छर पनप रहे हैं, जिससे संक्रमक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ती जा रही है।

जाते हैं और सड़क पर इधर उधर घूमते दिखाई देते हैं और बिना आगे-पीछे देखे अचानक वाहनों को मोड़

देते हैं, जिससे सामने और पीछे से आ रहे अन्य वाहन आपस में टकरा जाते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डीपीआर तैयार करने के दिए निर्देश

सीसीआई की जमीन पर प्रदूषण रहित उद्योगों वाली इंडस्ट्रियल टाउनशिप की तैयारी

विधायक सांगवान के प्रयासों से 200 एकड़ से अधिक जमीन के उपयोग की बड़ी उम्मीद

■ तीन दशक से अनुपयोगी पड़ी जमीन के सदुपयोग की बड़ी उम्मीद



चरखी दादरी। दादरी स्थित सीसीआई का बंद पड़ा कारखाना। फोटो : हरिभूमि

दादरी में करीब तीन दशक से अनुपयोगी पड़ी सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) की 200 एकड़ से अधिक जमीन के उपयोग को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। हरियाणा सरकार इस जमीन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने की योजना को आगे बढ़ा रही है। खास बात ये है कि विधायक सुनील सांगवान की मांग पर प्रस्ताव में आसपास के रिहायशी क्षेत्र को भी ध्यान में रखा गया है। क्षेत्र में ऐसे उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिनसे प्रदूषण का स्तर न्यूनतम रहे और आसपास रहने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। टाउनशिप से सीसीआई की

जमीन का औद्योगिक उपयोग करने के साथ स्थानीय आबादी के हितों को भी ध्यान में रखने की योजना है। वर्ष 1996 से इस कारखाने में सीमेंट उत्पादन बंद है और जमीन लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में सीसीआई की जमीन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई थी। बैठक में दादरी के विधायक सुनील सांगवान, सीसीआई के सीएमडी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के

रिहायशी क्षेत्र को देखते हुए प्रदूषण रहित उद्योगों पर जोर

विधायक सुनील सांगवान का कहना है कि सीसीआई की जमीन के आसपास वर्तमान में रिहायशी क्षेत्र विकसित हो चुका है, ऐसे में औद्योगिक टाउनशिप की योजना बनाने समय पर्यावरण और स्थानीय आबादी को जरूरतों को प्रमुखता देने का प्रस्ताव है। यहां प्रदूषण रहित अथवा कम प्रदूषण वाले उद्योगों को प्राथमिकता देने की योजना है। इससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ आसपास रहने वाले लोगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। प्रस्तावित टाउनशिप में उद्योगों के चयन और आधारभूत सुविधाओं की योजना तैयार करते समय इस पहलू को शामिल किया जाएगा।



विधायक के प्रयासों से योजना ने पकड़ी रफ्तार

दादरी के विधायक सुनील सांगवान लंबे समय से सीसीआई की जमीन को उपयोग में लाने का मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने की मांग रखते हुए कहा था कि इससे जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। अब उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा और डीपीआर तैयार करने के निर्देश के बाद योजना के आगे बढ़ने की उम्मीद जगो है।

तीन नेशनल हाइवे और रेल मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी

सीसीआई की जमीन की लोकेशन भी प्रस्तावित टाउनशिप के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जमीन के आसपास से तीन नेशनल हाइवे गुजरते हैं और रेल मार्ग की भी कनेक्टिविटी है। ऐसे में औद्योगिक इकाइयों के लिए कच्चा माल लाने और तैयार उत्पाद दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाने में परिवहन सुविधा मिल सकती है। बेहतर सड़क और रेल संपर्क से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

रोजगार एवं कारोबार को मिलेगी नई गति: विधायक सुनील

इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित होने पर दादरी क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। परिवहन, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, होटल, खानपान, मरम्मत और अन्य सहायक कारोबारों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के साथ शहर के बाजारों में भी कारोबार बढ़ेगा। विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि सीसीआई की जमीन का दोबारा उपयोग शुरू होने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी और रिहायशी क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रदूषण रहित उद्योग स्थापित किए जाने का प्रस्ताव स्थानीय लोगों के हित में होगा।

रोजगार मेले में 700 युवाओं ने लिया भाग, 535 को मिले नियुक्ति पत्र

चरखी दादरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला रोजगार विभाग एवं शहीद नरेंद्र कुमार आईटीआई रावलथी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को संस्थान परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया। मेले में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से करीब 700 युवाओं ने भाग लिया। विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने युवाओं का साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया पूरी की। जिसके बाद करीब 535 युवाओं का विभिन्न पदों के लिए चयन कर मौके पर ही नियुक्ति पत्र सौंपे। रोजगार मेले में मुख्यतिथि के रूप में पुलिस उपाधीक्षक साहिल दिल्ली ने शिरकत की। चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को स्वावलंबी बनाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा और तकनीकी कौशल का है।

यूपीएससी उतीर्ण कर भवदीप डाला बने सीआईएसएफ सहायक कमांडेंट

बाढ़ड़ा। गांव मंडोली निवासी भवदीप डाला ने संच लोका सेवा आयोग यूपीएससी द्वारा आयोजित सीआईएसएफ सहायक कमांडेंट परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय रैंक प्राप्त कर क्षेत्र एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। हैदराबाद में प्रशिक्षण के बाद उन्होंने पर्सिंग आउट परेड में राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया, जिससे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उपमंडल कार्यालय के राजस्व विभाग में कार्यरत पटवारी सीमा के पति भवदीप डाला ने प्रथम प्रयास में ही राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को उत्तीर्ण कर नया इतिहास रचा है। यूपीएससी द्वारा 12 दिसंबर को घोषित नतीजों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया। इसके उपरांत उन्होंने हैदराबाद में आयोजित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा 17 सितंबर को आयोजित भव्य पर्सिंग आउट परेड में सहायक कमांडेंट के रूप में शामिल हुए। भवदीप डाला के पिता सुरजमान डाला तथा माता शर्मिला देवी ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे परिवार, गांव एवं क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। भवदीप की सफलता से गांव मंडोली सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। डाला की उपलब्धि पर अशोक, रणबीर सिंह, सतीश, बिजेन्द्र सिंह आदि ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नायब तहसीलदार साहिल दलाल, कानूनी ध्यानसिंह, सुरेन्द्र सिंह, पटवारी संजीव चांदवास, देवेन्द्र सिंह, राजबीर सिंह, सतपाल सिंह, अजीज अहमद, अमित, शक्ति सिंह डालावास आदि ने पटवारी सीमा व सहायक कमांडेंट भवदीप डाला को बधाई दी।



हरियाणा माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन अनूप प्रजापति ने संमाला पदभार

तोशाम। हरियाणा माटी कला बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन अनूप प्रजापति के पदभार ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक विशेष रूप से कार्यक्रम में पहुंचे और नवनियुक्त चेयरमैन अनूप प्रजापति को पदभार ग्रहण करवाया। जगत कौशिक ने अनूप प्रजापति को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हरियाणा माटी कला बोर्ड प्रदेश के कारीगरों, शिल्पकारों एवं माटी कला से जुड़े लोगों के हितों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेगा। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भी अनूप प्रजापति को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों में उत्साह का माहौल रहा।



हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्लुएन्स ट्रेड मार्केट, भिवानी फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी 10X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- छ. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट नहीं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्लुएन्स ट्रेड मार्केट, भिवानी फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

खेल नर्सियों में खिलाड़ियों ने किया योग अभ्यास

चरखी दादरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत खेल एवं युवा विभाग की ओर से जिलेभर में खिलाड़ियों के लिए विशेष योगासन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागीय प्रशिक्षकों, सरकारी व गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों तथा ग्राम पंचायतों में संचालित खेल नर्सियों के प्रशिक्षकों ने अपने-अपने केंद्रों पर खिलाड़ियों को योगाभ्यास करवाया। कार्यकारी जिला खेल अधिकारी विष्णु भागवान ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को स्वस्थ के प्रति जागरूक करना रहा। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को नियमित योग के महत्व की जानकारी दी। योग से शारीरिक क्षमता बढ़ने के साथ मानसिक स्वास्थ्य और एकाग्रता में भी सुधार होता है। विभाग की ओर से खिलाड़ियों को खेल कौशल के साथ स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने को जागरूक किया जा रहा है।

आठ गांवों के प्रतिनिधियों ने नशामुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

- युवाओं को स्वरोजगार अपनाने और जैविक खाद के प्रयोग के लिए भी किया गया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ►► बाढ़ड़ा

एसडीएम मनोज दलाल ने उपमंडल के आठ गांवों के मौजिज ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल पंचायत प्रतिनिधियों का अभिनंदन कर क्षेत्र को नशामुक्त बनाने व पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को कामयाब बनाने का आह्वान किया। कमेटी पदाधिकारियों ने एसडीएम दलाल की अगुवाई में प्रशासन की पहल का स्वागत व समर्थन करते हुए प्रत्येक गांव से नशे को दूर करने का आश्वासन दिया। एसडीएम दलाल के कार्यालय में पहुंचे गांव पिचोपा कलां, पिचोपा खुर्द, कुब्जानगर, निहालगढ़, गुडाना, टोडी सहित आठ



बाढ़ड़ा। आठ गांवों के पंचायत प्रतिनिधियों को नशे को दूर करने का संकल्प दिवाते एसडीएम मनोज दलाल। फोटो : हरिभूमि

गांवों के मौजिज ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल का सम्मान किया। दलाल ने कहा कि हमारे बुजुर्ग संस्कारमुक्त ज्ञान देने में सक्षम हैं, इसीलिए पहले वे गांव में आपसी विवादों का निपटारा कर एक-जुटता से गांव के विकास में भागीदारी निभाते थे। अब युवाओं को भारतीय संस्कृति के अनमोल ज्ञान से अवगत करवाएं। ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं और सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे लड़के लड़कियां हर क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं।

ये रहे मौजूद

सामाजिक कार्यकर्ता वेदपाल सांगवान, धर्मवीर सांगवान पिचोपा खुर्द, पूर्व सरपंच दयानंद, रामेश्वर, माडूराम, उमैद, सुरेश, लोकराम, मदन टोडी नागर, जसवंत, सरपंच महिपाल पिचोपा कलां, ताराचंद बिंदाबन, सरपंच पूर्व सरपंच कमल सिंह, सरपंच पूर्व नंबरदार कुब्जान नगर, पीटीआई विजपाल, रोशन, कुपाल, लखी, सुरेन्द्र व जयप्रकाश आदि मौजूद रहे।

रोमांचक मुकाबले में भिवानी टाइगर और ब्लेजर किंग ने दर्ज की जीत

नमो क्रिकेट लीग में युवाओं ने दिखाया दम

- विधायक घनश्याम सराफ के पुत्र अमन सराफ ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ
- जिला स्तरीय पांच दिवसीय चैंपियनशिप में 56 से अधिक टीमें ने रही हैं भाग

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

नमो क्रिकेट लीग चैंपियनशिप का आज दूसरा दिन रहा। जिसका शुभारंभ विधायक घनश्याम सराफ के पुत्र अमन सराफ ने किया। यह 5 दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता नशे जैसी बुराई पर अंकुश लगाने के उद्देश्य है। प्रतियोगिता में 56 से अधिक टीमें के युवा अपनी



भिवानी। खिलाड़ियों से परिचय लेकर मैच शुरू कराते हुए। फोटो : हरिभूमि

बल्लेबाजी गेंदबाजी का हुनर दिखा रहे हैं। तीसरे दिन भी कड़े मुकाबले रहे। विधायक घनश्याम सराफ के पुत्र अमन सराफ ने कहा कि युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनानी चाहिए। खेल शरीर को स्वस्थ रखने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करते हैं। युवाओं

ये रहे मौजूद

समाजसेवी श्याम सुंदर सनातनी, मुकेश रहेजा ,प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, स्वास्थ्य कल्याण समिति के सदस्य मदन शर्मा , सुबेसिंह, ऋषि कुमार शर्मा, ओपी निंबावाल, कोच श्रवण कुमार, राजेश कोच, अभिषेक तिवारी, प्रवीण गोयल,मदन गोपाल, मधू रेश, अभिषेक सोलंकी, नितेश रावत, कर्ण प्रताप, दिनेश सुई, रोहित सिंह, अंकित सांगवान, सुखविंदर दुहान, रमेश, अनूप कुमार, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

को अपना समय खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों में लगाना चाहिए। नशा स्वास्थ्य और भविष्य दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इससे दूरी बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें। तीसरे दिन के मुकाबले में पहला मैच बाला जी कोचिंग सेंटर व भिवानी टाइगर के बीच रहा, जिसमें भिवानी

नशा, अवैध हथियार और साइबर अपराध पर कार्यवाही तेज के निर्देश

भिवानी। पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा ने पुलिस कार्यालय में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश दिए। बैठक में जिले के डीएसपी, सीआईए व अपराध शाखाओं के प्रभारी, थाना और चौकी प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान कानून व्यवस्था, अपराध की स्थिति और लॉबत मामलों की समीक्षा की गई।एसपी ने कहा कि अपराध नियंत्रण में लपरावाही बर्दाश्त नहीं होगी। गंभीर मामलों में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, साक्ष्य जुटाने और जांच निष्पत्ति समय में पूरी करने पर ध्यान दिया जाए। नशा तस्करी और अवैध हथियारों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर उनके स्रोत तक पहुंचते हुए कार्रवाई की जाए।

न्यूज डायरी



शांति, सद्भाव व विश्व बंधुत्व का दिया संदेश

चरखी दादरी। कस्बा झोड़कुल स्थित महिला महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1 एवं 2 की ओर से एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजू सांगवान एवं डॉ. शर्मिला कुमारी के निर्देशन में हुआ। शिविर का शुभारंभ एमएसएस गीत के साथ किया। प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता एवं श्रम के महत्व का संदेश दिया। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजपाल ने अंतराष्ट्रीय शांति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेविकाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शांति, प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग के माध्यम से बेहतर समाज एवं विश्व का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बक की भावना को अपनाने हुए समाज में भाईचारे और शांति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्रधान सुरेंद्र पाल सिंह एवं कोषाध्यक्ष मंगे राम ने भी स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए शांति और सामाजिक समरसता के महत्व पर विचार रखे।

आंगनबाड़ी केंद्र में गोद भराई कार्यक्रम

तोशाम। महिला एवं बाल विकास विभाग के दिशा-निर्देशानुसार एवं सुपरवाइजर नीलम के नेतृत्व में गाँव इंदेवाली में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर 9वें अंतरराष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हार्दिकता के साथ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की पोषण के प्रति जागरूक करना और पारंपरिक रीति-रिवाजों के माध्यम से उनके स्वास्थ्य का सम्मान करना था। इस कार्यक्रम आंगनवाड़ी वर्कर अनिता रानी के अलावा गाँव में स्थित अन्य आंगनवाड़ी केंद्रों से आई वर्कर्स ने सरनी, निर्मला व अनुराधा आदि ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिता रानी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई। भारतीय परंपरा के अनुसार उनकी गोद में फल, पोषण टोकरी, हरी सब्जियां, गुड़, चना और पौष्टिक आहार सामग्री भेंट की गई।

छात्रों को स्टार्टअप योजनाओं की दी जानकारी

भिवानी। टीआईटीएस संस्थान में सोमवार को डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत उद्यमिता, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास तथा रोजगार सृजन से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्यमिता, एमएसएमई विकास, नवाचार, नियात तथा रोजगार सृजन के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता एवं योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम एमएसएमई की उपनिदेशक नीलिमा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न विभागों के विमानध्यक्ष तथा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला एमएसएमई केन्द्र के औद्योगिक विस्तार अधिकारी सतीश कुमार ने एमएसएमई के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं प्रोत्साहनों पर विस्तार से जानकारी दी।

जन्मदिन पर लगेगा रक्तदान शिविर

बालनीखेड़ा। बाबा बंदा सिंह बहादुर के दसवें वंशज बाबा जितेंद्र पाल सिंह सोदी के 83वें जन्मदिन पर 2 अक्टूबर को बड़ा गुरुद्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। गुरुद्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर युवा सेवा दल की ओर से आयोजित शिविर में क्षेत्रवासियों से रक्त-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई है।गुरुद्वारा प्रधान राजेंद्र हंस ने बताया कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं और सामाजिक संस्थाओं से रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सरदार रजतार सिंह खुराना, गुलशन खुराना, भूषण कक्कड़, कैशव ठक्कराल, गोल्डी सखेवा, संदीप नागापाल, कज्जव, साहिल गुलाटी, साहिल बजाज, हार्दिक खुराना और अजय कुमार मौजूद रहे।

पराली निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

भिवानी। धान की कटाई के दौरान पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देश पर धान उत्पादक 105 गांवों में 164 नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है। पराली जलाने की घटनाओं पर सैटेलाइट से भी निगरानी रखी जाएगी।उप कृषि निदेशक राजेश सिंहाण ने बताया कि जिले में 50,157 एकड़ में धान की खेती हुई है, जिससे करीब 75 हजार मीट्रिक टन पराली उत्पादन का अनुमान है। किसानों को जागरूक करने के लिए गांवों और स्कूलों में शिविर लगाए जा रहे हैं। पराली जलाने पर 5 हजार से 30 हजार रुपये तक जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाया का प्रावधान है।सहायक कृषि अमिरंता नसीब सिंह धनखड़ ने किसानों से पराली प्रबंधन करने की अपील की।

15 अक्टूबर तक लगेंगे सेवा सेतु शिविर

भिवानी। पीएम मोदी के सार्वजनिक जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 15 अक्टूबर तक सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में विभिन्न ब्लॉकों, शहरी निकायों और बड़े गांवों में लगने वाले इन शिविरों में लोगों को सरकारी सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि शिविरों का उद्देश्य लोगों को उनके नजदीकी क्षेत्र में सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। भिवानी ब्लॉक का शिविर 22 सितंबर को पंचायत भवन, बवानी खेड़ा का 25 सितंबर को बीडीपीओ कार्यालय, तोशाम का 28 सितंबर और लोहारू का 29 सितंबर को संबंधित बीडीपीओ कार्यालय में लगेगा। इसके अलावा भिवानी में 1 अक्टूबर, केरू में 5 अक्टूबर और बहल में 6 अक्टूबर को बीडीपीओ कार्यालय में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

भिवानी। लघु सचिवालय स्थित डीआरडी हॉल में सोमवार को समाधान शिविर का आयोजन किया गया। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा और डीएससी हरबीर सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।शिविर में बच्चों के शैक्षणिक दस्तावेज दिलवाने, एक्ट-134ए के तहत दाखिले के बावजूद फीस वसूली, गलत चालान, काम की पैमेंट, मांस की दूकान हटवाने और जमाबंदी में नाम दर्ज करवाने संबंधी शिकायतें आईं। इसके अलावा फर्द-बर्दर, पेजलत आपूर्ति, सीवरेज सफाई, टूटे मेमहोल ढक्कन ठीक करवाने और पैमैन्टी आईडी की गृटियां दूर करवाने की मांग भी रखी गई। अधिकारियों ने सभी शिकायतों की जांच करने से जुड़े हुए संबंधित विभागों को व्यक्तिगत रूप से कार्रवाई कर समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए।